प्राकृतिक शिक्षा संबंधित अहम मुद्दे

उचित और प्रभावशाली प्रकृति-संबंधित शिक्षा-पाठ व अनुभव आयोजित करते वक्त याद रखने लायक १० टिप्पणियां:

1.क्या यह पाठ आस पास के परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है? क्या बच्चे इसमें दिए गए शब्दों और हालात से वाक़िफ़ हैं?
किसी भी पाठ में बच्चों के वास्तविक जीवन के अनुभवों से जुड़े उदाहरण होने चाहिए। इस से हम सुनिश्चित करते हैं कि पाठ पहले ऐसी जानकारी पेश करता है जिससे बच्चे पहले से वाक़िफ़ हो। शिक्षा सफल तब होती हैं जब बच्चे को सरल, जाने-माने पाठ से पहले और कठिन, नवीन पाठ से बाद में वाकिफ कराया जाता है।

2. क्या पाठ को प्रकृति से जोड़ा जा सकता है?
कई बार, पाठयपुस्तक में दिए पाठ बच्चों को इस दृष्टि से वातावरण के बारे में सोचना सिखाते हैं जो प्रकृति को केवल इंसान के इस्तेमाल के नज़रिये से देखती है। वास्तव में पौधे, पशु, और इंसानों के बीच के आपसी सम्बन्ध विस्तृत होते हैं। "यही चीज़ हम पर्यावरण में कहाँ देखते हैं?" – ये सवाल पूछ कर, ज़्यादातर पाठ का ताल्लुक प्रकृति से जोड़ा जा सकता हैं। उदाहरण – 'यातायात' के पाठ से हम बच्चों को सिखा सकते हैं कि जानवर कैसे बीजों को एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाते हैं।इस से बच्चों के मन में पर्यावरण के लिए लगाव बढ़ता है, और उनका ध्यान भी बना रहता है। और तो और, उनको अपने किस्से भी सुनाने का मौका मिलता है।

3. क्या पाठ के उदाहरणों में आस पास पाए जाने वाले जीव-जंतु और पौधे शामिल है?
बच्चों को अपने आस पास के पर्यावरण को पूर्ण रूप से अनुभव करवाने के लिए आवश्यक है कि पाठ में ऐसे उदाहरण शामिल करें जिनसे वो पहले से वाक़िफ़ हों। ये उदाहरण चित्रों से, निबंधों से, फिल्मों से, या दिलचस्प गतिविधियों / खेल से समझे जा सकते हैं।

4. क्या पाठ में दी गयी जानकारी की सत्यता की समीक्षा हुई हैं?
विद्यार्थियों को भरोसेमंद सूत्रों से प्राप्त की गयी जानकारी देना आवश्यक है, ख़ास तौर पर जब हम इंटरनेट से जानकारी ले रहे हैं। ये पशु-पौधों के चित्र पर भी लागू है।विकिपीडिया, इनसाइक्लोपीडिया / वैज्ञानिक किताबें, डिस्कवरी, नेशनल जियोग्राफिक, और किड्डुल आपके काम आ सकते हैं। इन में से कम-से-कम २-३ स्रोतों के ज़रिये जानकारी की जाँच कर लें।

यह काम नेचर क्लास्सरूम्स का है CC BY-NC-ND 4.0
https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/

5. क्या यह जानकारी इस आयु और कक्षा के लिए उचित है?
आवश्यक है कि हर पाठ बच्चों की उम्र और पढ़ने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए बनाया गया हो, ताकि वे आसानी से, दी गयी जानकारी को समझ सकें। अगर पाठ उनकी क्षमता से सरल हो तो बच्चे बेचैन और मायूस हो जाते हैं। अगर पाठ उनकी क्षमता से कठिन हो तो बच्चे उसे समझ नहीं पाते।पाठ के लिए जानकारी ढूंढते वक्त, कृपया सुनिश्चित कर लें कि आपके शिक्षा साधन क्लास रूम के लिए उचित हैं। वीडियो और चित्र ध्यान से चुनिए। वे दिखने में साफ़, सुन्दर होने चाहिएँ और उनमें उचित और सरल भाषा का उपयोग होना चाहिए।

6. क्या पाठ में किसी प्रकार का अनुचित पक्षपात है?
कभी कबार, हम अनजाने में अपने धर्म, जाति, लिंग, और अन्य पक्षपात क्लास रूम में ले कर आते हैं। सभी बच्चों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए हमें ध्यान में रखना चाहिए कि हम अपने पक्षपात विद्यार्थियों पर ना थोपें। उदाहरण – कभी कबार हम बच्चों को कहानियाँ सुनाते वक्त घर-काम की बातों में केवल औरतों का ज़िक्र करते हैं, जैसे की खाना पकाना और झाड़ू लगाना। इस से बच्चों के मन में पितृसत्ता भाव पैदा हो सकते हैं। जहाँ तक हो सकें, पितृसत्ता के आधार पर औरतों और मर्दों पे लगाई गयी पाबंधियों पर ध्यान दीजिए। आप अपनी शिक्षण पद्धति में और कौन से पक्षपात पहचान सकते हैं?

7. क्या इस पाठ में 'हल्का फुल्का विज्ञान' से प्रेरित सीखने और समझने की प्रक्रियाए है?
- **प्रेक्षण तर्कबुद्धि:** अपने वातावरण को चित्रों से, कहानियों से, फर्क-समानता की तुलना से, और सवालात से बेहतर समझना।
- **मात्रात्मक तर्कबुद्धि:** सामान्य गणित कौशल उत्पन्न करना, जैसे गिनना, योजना करना, और आकार व मात्रा पहचानना।
- **भाषा कौशल:** कहानियाँ, कविता, संगीत, और पहेलियों के माध्यम से विचार और अनुभव इज़हार करना।
- **योजना और रचना:** प्राकृतिक प्रक्रियाओं को समझने के लिए योजनाएँ बनाना, योजनाओं के चित्र बनाना, और उनके आधार पर मॉडल की रचना करना।

ये चार तर्कविधि के साधन बच्चों में पर्यावरण और सम्बन्धी शिक्षा के प्रति आश्चर्य पैदा करते हैं।

8. क्या यह पाठ स्पष्ट भाषा में लिखा गया है? क्या यह समझने में आसान है?
सरल और स्पष्ट भाषा का इस्तेमाल करें ताकि बच्चे आसानी से पाठ समझ सकें। नवीन शब्दों को ध्यान से और उदाहरण की मदद से पेश कीजिए। ख़ास कर के होमवर्क और परीक्षा देते वक्त, सवालों को छोटे छोटे भागों में बाँट कर, हर भाग, बच्चों को समझाइए।

यह काम नेचर क्लास्सरूम्स का है CC BY-NC-ND 4.0
https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/

उदाहरण पाठ – खाना, क्लास २
उदाहरण सवाल – आपके मनपसंद खाने की सूरत और बनावट के बारे में लिखिए।

यहाँ, 'सूरत' और 'बनावट' को समझाने के लिये सवाल सरल बनाया जा सकता हैं – आपके मनपसंद खाने के बारे में दो वाक्य लिखिए। ये कैसा दिखता है? इसका रंग क्या है? इसका स्वाद कैसा है? इसकी महक कैसी है?

9. क्या होमवर्क और परीक्षा पाठ के मुख्य लक्ष्यों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं?
हर पाठ का मक़सद है स्पष्ट रूप से बच्चों को ज़रूरी कौशल और जानकारी दिलाना। होमवर्क को भी इस ही मक़सद को ध्यान में रख कर बनाना उचित होगा।

10. क्या यह पाठ विद्यार्थियों के सुख को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है?
१० साल की उम्र से छोटे बच्चों के लिए प्रकृति-संबंधित पाठ कार्यक्रम तय करते वक्त याद रखिये कि क्लास चर्चा बच्चों में घबराहट या मायूसी पैदा ना करे। हमारा मक़सद हैं बच्चों में प्रकृति के लिए उत्सुकता, लगाव, और आश्चर्य बढ़ाना। इसके दौरान, पर्यावरणीय संकटों का बोझ उन पे डालना उचित नहीं होगा।

यह काम नेचर क्लास्सरूम्स का है CC BY-NC-ND 4.0
https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/